घोटाला | सहकारिता अधिकारियों पर गंभीर आरोप

समर्थन मूल्य खरीदी में बड़ा घोटाला?

नवभारत/ नरसिंहपुर। जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं, चना एवं मसूर खरीदी को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। सहकारिता विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए जिला पंचायत सदस्य धनंजय सिंह पटेल सहित अन्य शिकायतकर्ताओं ने कलेक्टर नरसिंहपुर को 20 बिंदुओं का विस्तृत शिकायत पत्र सौंपकर उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। शिकायत में उपायुक्त सहकारिता दिनेश चौरसिया एवं वरिष्ठ सहकारिता निरीक्षक राजेन्द्र सिंह पर पद का दुरुपयोग कर खरीदी व्यवस्था में व्यापक अनियमितताएं, भ्रष्टाचार और नियम विरुद्ध कार्य कराने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। शिकायत के साथ फोटो, वीडियो, तौल पर्चियां, समाचार पत्रों की प्रतियां तथा अन्य दस्तावेज भी प्रस्तुत किए गए हैं। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि यदि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो समर्थन मूल्य खरीदी में बड़े स्तर पर गड़बड़ी सामने आ सकती है।

22 समितियों को ब्लैकलिस्ट करने पर सवाल

शिकायत पत्र के अनुसार जिले की 22 समितियों को बिना स्पष्ट आदेश और बिना निर्धारित मापदंड के ब्लैकलिस्ट कर खरीदी कार्य से अलग कर दिया गया। आरोप है कि इन समितियों को ब्लैकलिस्ट करने संबंधी कोई वैध आदेश न तो मुख्यालय से जारी हुआ और न ही संबंधित समितियों को कारण बताया गया। इससे खरीदी व्यवस्था प्रभावित हुई और कई स्थानों पर किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ा। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि जिन समितियों को खरीदी से अलग किया गया, उन्हीं समितियों के कर्मचारियों से बाद में नवीन गठित समितियों के माध्यम से खरीदी कराई जाने लगी। इससे पूरे निर्णय की पारदर्शिता और मंशा पर सवाल खड़े हो गए हैं।

एक ऑपरेटर कई केंद्रों पर तैनात

शिकायत पत्र में यह भी कहा गया है कि नियमों के विपरीत एक ही कंप्यूटर ऑपरेटर को एक से अधिक खरीदी केंद्रों पर तैनात किया गया। कल्याणपुर एवं चना-मसूर खरीदी केंद्र कृष्णा वेयरहाउस गाडरवारा में एक ही ऑपरेटर द्वारा कार्य किए जाने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ताओं ने दावा किया कि इसकी जानकारी ऑनलाइन रिकॉर्ड में भी उपलब्ध है।

नवीन समितियों को नियम विरुद्ध केंद्र आवंटन के आरोप

शिकायत में कहा गया है कि जिले में पुनर्गठित और नवीन समितियों को खरीदी केंद्र सौंप दिए गए, जबकि कई समितियों के पास न पर्याप्त कर्मचारी थे और न ही संचालन की बुनियादी व्यवस्था। कुछ समितियों के आईडी-पासवर्ड तक तैयार नहीं हुए थे, इसके बावजूद उन्हें समर्थन मूल्य खरीदी जैसे महत्वपूर्ण कार्य की जिम्मेदारी दे दी गई। दस्तावेजों में दावा किया गया है कि मध्यप्रदेश में यह संभवत: पहला मामला है, जहां बिना संसाधनों और प्रशासनिक व्यवस्था के नवीन समितियों को खरीदी केंद्र संचालित करने की अनुमति दी गई, शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि इस व्यवस्था का लाभ निजी पक्षों एवं व्यापारियों को पहुंचाया गया।

खरीदी केंद्रों के संचालन पर उठे गंभीर प्रश्न: शिकायत में कल्याणपुर, देवरी, सांखेड़ा, बारहबड़ा और पिपरिया कला सहित कई खरीदी केंद्रों का उल्लेख किया गया है। आरोप है कि कई केंद्र निर्धारित वेयरहाउस में संचालित न होकर निजी स्थानों एवं अन्य गोदामों से संचालित किए गए। कल्याणपुर समिति के संबंध में शिकायत में कहा गया है कि गेहूं खरीदी केंद्र नियमानुसार निर्धारित वेयरहाउस में न बनाकर पुराने शक्कर मिल परिसर रायपुर में संचालित किया गया, जिससे व्यापारियों और उपार्जनकर्ताओं को लाभ पहुंचाने की आशंका बनी रही। इसी प्रकार चना-मसूर खरीदी केंद्र को भी निर्धारित स्थान से दूर स्थापित करने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया कि कई खरीदी केंद्रों पर कार्य ठेके पर कराया जा रहा है तथा केंद्रों पर स्थायी कर्मचारियों की अनुपस्थिति के बावजूद खरीदी जारी है। इससे खरीदी प्रक्रिया की जवाबदेही पर गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं।

धर्मकांटे से तौल और रिकॉर्ड गड़बड़ी के आरोप

शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि कुछ खरीदी केंद्रों पर नियम विरुद्ध धर्मकांटे से तौल कराई जा रही है। आरोप है कि किसानों के गेहूं को अलग-अलग रखने के बजाय एकत्रित ढेर में रखा जा रहा है और बाद में बोरियों में पैक कराया जा रहा है, जिससे यह पहचानना मुश्किल हो जाता है कि कौन-सा अनाज किस किसान का है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि इस प्रकार की व्यवस्था से खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता खत्म होती है और अनियमितता एवं हेरफेर की आशंका बढ़ जाती है। शिकायत में 1200 किलो तक अतिरिक्त तौल कराने और रिकॉर्ड में गड़बड़ी के आरोप भी लगाए गए हैं।

कर्मचारियों पर कार्यवाही को लेकर भी विवाद

शिकायत में उपायुक्त सहकारिता दिनेश चौरसिया पर कर्मचारियों को बिना जांच निलंबित करने और बाद में बहाल करने के आरोप लगाए गए हैं। आरोप है कि 22 समितियों के कर्मचारियों को एक ही दिन में निलंबित कर दिया गया और बाद में बिना किसी निष्पक्ष जांच के बहाल भी कर दिया गया।

बैठकों में जानकारी छिपाने के आरोप

शिकायत में यह भी कहा गया है कि उपार्जन संबंधी महत्वपूर्ण बैठकों में आवश्यक जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई। प्रस्तावित समितियों की सूची तक साझा नहीं की गई और कई निर्णय बिना पर्याप्त चर्चा के लिए गए। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि इससे पारदर्शिता खत्म हुई और पूरी प्रक्रिया संदिग्ध बन गई।

प्रशासनिक व्यवस्था पर भी उठे सवाल

शिकायत पत्र में यह आरोप भी लगाया गया है कि कई बार महत्वपूर्ण बैठकों से अधिकारी अनुपस्थित रहे या औपचारिक जवाब देकर मामले को टालते रहे। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि जिले में समर्थन मूल्य खरीदी जैसी महत्वपूर्ण व्यवस्था के दौरान अधिकारियों का रवैया गैरजिम्मेदाराना रहा है।

निष्पक्ष जांच और कार्यवाही की मांग

शिकायतकर्ताओं ने कलेक्टर नरसिंहपुर से पूरे मामले की निष्पक्ष विभागीय जांच कराने, दस्तावेजों का परीक्षण करने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही यह भी कहा गया है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो मामला बड़े स्तर पर उठाया जाएगा। शिकायत पत्र में यह भी उल्लेख है कि आगामी कार्यक्रमों में सामूहिक ज्ञापन देकर शासन को पूरे मामले से अवगत कराया जाएगा। अब जिले में चर्चा इस बात की है कि इतने गंभीर दस्तावेजी आरोपों और प्रस्तुत साक्ष्यों के बाद प्रशासन क्या कदम उठाता है तथा क्या समर्थन मूल्य खरीदी में कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच हो पाएगी या नहीं।

हैंडपंप उगल रहा गंदा पानी, वार्डवासी परेशान

नवभारत/ गोटेगांव। तहसील क्षेत्र में जगह-जगह इस समय भीषण गर्मी के दौर में जल संकट की गंभीर समस्या उत्पन्न हो रही है और जहां तहां लगे हुए हेड पंप हवा फांक रहे हैं। और कुछ मरम्मत कार्य न होने से खराब पड़े हुए हैं।एक तरफ प्रदेश सरकार जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कुआं बावड़ी नलों आदि स्थानों का संरक्षित करने जोर शोर से अभियान चला रही है। परंतु उसके विपरीत गोटेगांव नगर की हरदौल वार्ड में बगतला तालाब के पास स्थित मकान के पास एकमात्र हेड पंप लगा हुआ है जो की विगत दिनों खराब हो गया था, इसके उपरांत आसपास के रहवासियों ने जब विभाग के अधिकारियों को हेडपंप खराब होने की सूचना दी तो कुछ समय बाद हेडपंप का सुधार कार्य संबंधित अधिकारी द्वारा कर दिया गया,परंतु उक्त सुधार कार्य ऊंट के मुंह में जीरा साबित हो रहा है। क्योंकि सुधार कार्य को आधा

अधूरा कर लीपापोती कर दी गई है, इस हेड पंप को सुधारने हेतु रोड से लगभग 2 फीट ऊपर फाउंडेशन को तोड़कर उठाया गया है। अब हैंडपंप चालू तो हो गया है परंतु उसमें से निकलने वाले पानी की निकासी पूर्व के समय में नाली की तरफ थी जिससे गंदा पानी नाली में चला जाता था। परंतु कर्मचारियों के द्वारा हेडपंप सुधारने के बाद फाउंडेशन की रिपेयरिंग नहीं की गई, जिससे आसपास का पूरा गंदा पानी उसी में दोबारा समा रहा है।जिससे कि आसपास के रहवासियों को दूषित पानी पीने से उनके स्वस्थ संबंधी खतरा भी मंडरा रहा है, इस संबंध में जब आसपास के रहवासियों ने संबंधित कर्मचारी को फोन लगाया तो उनके साथ बदतमीजी की गई, और कहा कि हमने हेडपंप सुधार दिया इतना काफी है अब आगे तुम लोग जानो तुम्हारी समस्या जाने,,, कर्मचारी की इस बदतमीजी से आसपास के नागरिकों में रोष व्याप्त है, और उन्होंने कहा है कि सरकार के कर्मचारी अपने जेब का पैसा नहीं लगते काम करना उनकी ड्यूटी है, उसके बाद में आम जनता के साथ ऐसा दुव्यवहार करना कहीं ना कहीं विभाग की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठा रहा है।

नागरिकों की मांग

इस संबंध मे नागरिकों का कहना है कि तत्काल छोड़े गए कार्य की रिपेयरिंग की जाए जिससे दूषित पानी से होने वाली बीमारियों की रोकथाम हो।

पूर्व विधायक के प्रयास से शोकाकुल परिवार में पहुंची आर्थिक सहायता

नवभारत/ गोटेगाँव विधानसभा अंतर्गत महाकौशल इथेनॉल प्लांट, बचई में साइलो टैंक मशीन गिरने से 2 लोगों की दु:खद मृत्यु उपरांत कांग्रेस पूर्व विधायक शेखर चौधरी ने खापा पटी शेड़ में शोकाकुल स्व. जगदीश यादव के परिवार में पहुंचकर उन्हें ढाढस बंधाया एवं हर सम्भव मदद का भरोसा दिलायाद्व श्री विधायक ने संवेदनाएं व्यक्त कर बताया की दोनों मृतक के परिवारों की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है और वह अपने घर का पालन पोषण करने में सक्षम नहीं है जिसके चलते श्री विधायक चौधरी ने तुरंत प्लांट प्रबंधक नवाब रज़ा से बात कर उचित मुआवजा देने की बात कहीद्व वही प्लांट प्रबंधन ने परिवार के 1 सदस्य को नौकरी व मृतक की पत्नी एवं पिता को हर माह 5 -5 हजार रुपये देने की बात कही द्व वही श्री चौधरी ने हर परिस्थिति में दोनों परिवारों में तत्परता के साथ सदैव खड़े रहने की बात कहीद्व इस मौके पर नरेश बिलवार आशीष तिवारी समीर सिद्दीकी शाहिद अन्य कार्यकर्ता बंधु मौजूद थे।

ठेकेदार की मनमानी के चलते गाडरवारा सड़क मार्ग पर मुरम की जगह डाली जा रही पीली मिट्टी

नवभारत/ तेंदूखेड़ा इन दिनों तेंदूखेड़ा गाडरवारा सड़क मार्ग पर मनमानियों का दौर जारी है। जो आने वाले समय में लोगों को दुख का कारण बनेगा। मुख्य सड़क मार्ग पर साइड सोल्डरों में जहां मुरम डाली जानी चाहिए थी वहीं पीली मिट्टी डाली जा रही है जो आने वाले बरसात के दिनों में बाहन चालकों को परेशानी का कारण बनेगी।इस विषय को लेकर किसान संघ के लोगों ने प्रशासन के अधिकारियों को लिखित में शिकायत की गई थी लेकिन इस दिशा में आज तक कोई सुधार नहीं हुआ है।पहले तो मोदी पेट्रोल पंप के आगे से सत्संग भवन तक पीली मिट्टी फैलाई जा रही है। लेकिन अब यह मिट्टी आगे ऊमरपानी तक रातों रात विछाई जा रही है। गौरतलब रहे कि सड़क मार्ग काफी सकरा है और भारी वाहनों की आवाजाही दिन रात बनी रहती है। वाहनों की क्रासिंग के समय छोटे बाहन चालक फिसलकर गिरने की आशंका बनीं हुई है।समय रहते तत्काल प्रभाव से रोक नहीं लगाई गई तो आने वाले समय में भीषण सड़क दुघर्टनायें बढ़ेगी। बरसात के दिनों में जहां बाहन कीचड़ में फंसेंगे वहीं छोटे बाहन फिसलकर गिरेगें ।इसी सड़क मार्ग पर ठेकेदार की मनमानी के चलते विद्युत खंबे मनमाने तरीके से गाढ़े जा रहे हैं।जो भविष्य में दुख का कारण बनेगा। तेंदूखेड़ा क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यदि तत्काल प्रभाव से मिट्टी डलने से नहीं रोका जाता है तो शीघ्र ही वरिष्ठ अधिकारियों को ज्ञापन देकर आने वाले समय में आंदोलन किया जाएगा।

एक नजर में

सखी वुमेन्स वेलनेस हेवन क्लिनिक का शुभारंभ

नवभारत/ गोटेगांव विगतदिवस रोग विशेषज्ञ डॉ. शैलजा गुप्ता के नवीन क्लिनिक सखी वुमेन्स वेलनेस हेवन का स्टेशन रोड, तहसील कार्यालय के पास स्थित निवास पर शुभारंभ हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि मणिनागेंद्र सिंह फाउंडेशन सचिव इंजीनियर सरदारसिंह पटेल एवं क्षेत्रीय विधायक महेंद्र नागेश ने क्लीनिक का रिबिन काटकर भव्य शुभारंभ किया जिसमें मुख्य रूप से नगर पालिका अध्यक्ष पूनम जितेंद्र ठाकुर एवं सांसद प्रतिनिधि पंकज चौकसे उपस्थित थे। इंजीनियर सरदार सिंह ने कहा कि आप क्षेत्र वासियों की महिलाओं को मिलेगी सुविधा डॉ. शैलजा गुप्ता के इस कदम से गोटेगांव क्षेत्र की महिला मरीजों को एक ही स्थान पर सुविधाजनक समय में परामर्श का लाभ मिलेगा। उनके अनुभव और समर्पण से क्लिनिक में उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध होंगी।

श्रीनगर-उमरिया के बीच बनाया जा रहा पुल निर्माण गुणवत्तापूर्ण नहीं, ग्रामीणों ने लगाए आरोप

नवभारत/ गोटेगांव। तहसील क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम उमरिया और श्रीनगर ग्राम पंचायतों को जोड़ने वाले सड़क मार्ग पर स्थित नाला पर पुल निर्माण का कार्य किया जा रहा है।जहां देखा गया है की नाले के ऊपर हो रहा पुल निर्माण विवादों में घिर गया है। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि पुल बनाने में इस्तेमाल की जा रही रेत में अत्यधिक मिटटी मिली हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि घटिया सामग्री का इस तरह उपयोग की जा रहा, तो करोड़ों की लागत से बनने वाला यह पुल समय से पहले ही क्षतिग्रस्त हो सकता है।हैरानी की बात यह है कि निर्माण स्थल पर कोई सूचना बोर्ड भी नहीं लगाया गया है,जिससे कार्य की लागत,एजेंसी का नाम पता और विभाग की जानकारी गोपनीय बनी हुई है। सूत्रों के अनुसार,यह कार्य ग्रामीण यांत्रिकी सेवा (आरईएस) विभाग के माध्यम से किया जा रहा है।

श्रीमती गोराबाई ग्यारस पुरिया का देवलोकगमन

नवभारत/ गोटेगांव। विगतदिवस नगर के प्रतिष्ठित नागरिक समाजसेवी रूद्र वार्ड निवासी हेमराज ग्यारस पुरिया की धर्मपत्नी एवं डॉक्टर राजेश ग्यारस पुरिया की पूज्य माता श्रीमती गौराबाई ग्यारस पुरिया का देवलोक गमन हो गया है, आप सहज सरल मिलनसार व्यक्तित्व की महिला थी, आपके देवलोक गमन का समाचार प्राप्त होतेही परिवारजनों व शुभचिंतकों में गहरा शोक व्याप्त हो गया, अंतिम संस्कार शवयात्रा में सभी वर्ग समुदाय के लोगों सहित विभिन्न राजनैतिक सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों के जनप्रति निधियों व नागरिकों ने मुक्तिधाम में बड़ी संख्या में शामिल होकर दाह संस्कार करने के उपरांत उपस्थितजनों ने श्रीमती गोराबाई की दिवंगत आत्मा की शांति हेतु अनुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक संतृप्त परिवार जनों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त कर शोकाकुल परिवार जनों को इस गहन दुख सहन करने हेतु परमपिता परमात्मा से प्रार्थना की।

नरसिंहपुर पुलिस की संवेदनशीलता लाई रंग

नवभारत/ नरसिंहपुर। में पदस्थ आरक्षक पंकज राजपूत ने दिखाई मानवीय संवेदनशीलता। भोजन, कपड़े एवं रहने की व्यवस्था कर लगातार संवाद से जीता भरोसा। परिजनों से संपर्क कर कई दिनों से लापता व्यक्ति को सकुशल परिवार से मिलाया। परिवार ने नरसिंहपुर पुलिस का जताया आभार, भावुक कर देने वाला पुनर्मिलन। उत्तरप्रदेश के गोरखपुर निवासी 44 वर्षीय उनसाद मिया सऊदी अरब में ड्राइवर का कार्य करते थे। अप्रैल 2026 में उनकी मानसिक स्थिति बिगड़ने पर उन्हें रियाद से भारत भेज दिया गया। कोतवाली नरसिंहपुर में पदस्थ आरक्षक पंकज राजपूत ने दिखाई मानवीय संवेदनशीलता- दिनांक 05 मई 2026 को थाना कोतवाली नरसिंहपुर में पदस्थ आरक्षक पंकज सिंह राजपूत की नजर उनसाद मिया पर पड़ी। पूछताछ करने पर वह कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दे पा रहे थे।

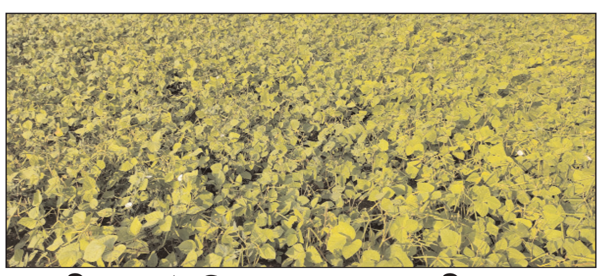

मुसीबत में किसान : मूंग की फसल को नहीं मिल रहा उचित माहौल

नवभारत/ तेंदूखेड़ा इन दिनों ग्रीष्म कालीन मूंग की फसल को उचित माहौल ना मिल पाने के कारण फसल ग्रोथ नहीं कर पा रही है और विभिन्न प्रकार की कीट व्याधियों से जूझ रही है। किसानों ने हमारे प्रतिनिधि को बताया कि ग्रीष्म कालीन मूंग की फसल ज्यों ज्यों बड़ी होती चली जाती है त्यों-त्यों उसके लिए अधिक तापमान की जरूरत पड़ती चली जाती है। लेकिन पिछले एक पखवाड़े से मौसम नरम गरम बना हुआ है। अचानक बादल छाने के साथ वारिस होने से मौसम में ठंडक आ जाती है। इस तरह की स्थिति में विभिन्न प्रकार की कीट व्याधियां भी अपने पैर पसारती चली जा रही है। जिसमें सफेद मक्खी हरा मच्छर हरी इल्ली और रात की रानी इत्यादि कीटों का आग्रमण बना हुआ है।

बिजली बनीं आफत

किसानों का कहना है कि इस दौरान बिजली की आंख मिचौली से फसल में समय पर पानी ना मिलने के कारण फसल सूखने और झुलसने की कगार पर पहुंच गई है।
समाप्त हो रहा स्लाइडों का समय
किसानों ने हमारे प्रतिनिधि को बताया कि इन दिनों किसानों का जमकर शोषण हो रहा है।

पुलिया के पास गड्ढा, हो सकता है बड़ा हादसा

नवभारत/ तेंदूखेड़ा तेन्दूखेड़ा से डोभी होकर जाने वाले सड़क मार्ग पर डोभी में एक पुलिया के समीप गड्ढा बड़ी दुर्घटना को आमंत्रण दे रहा है। इस मार्ग पर बनी पुलिया के बीचों-बीच बड़ा गड्ढा हो जाने से राहगीरों और वाहन चालकों में दहशत का माहौल बना हुआ है। यह मार्ग क्षेत्र का प्रमुख संपर्क मार्ग है। जहां से प्रतिदिन सैकड़ों छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। पुलिया की खराब स्थिति के बावजूद अब तक मरम्मत कार्य नहीं कराया गया है। जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पुलिया के बीच में बना गड्ढा लगातार बड़ा होता जा रहा है। रात के समय यह और अधिक खतरनाक साबित हो सकता है। अंधेरे में वाहन चालकों को होल दिखाई नहीं देता। ऐसे में कभी भी बड़ा हादसा घटित हो सकता है। महत्वपूर्ण विषय तो यह है कि पुलिया के पास ही साप्ताहिक हाट बाजार लगता है। जहां ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के

लिए पहुंचते हैं। बाजार के दिनों में मोटरसाइकिलों और अन्य वाहनों की आवाजाही काफी बढ़ जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार वाहन चालक अचानक गड्ढा देखकर संतुलन बिगाड़ बैठते हैं। अब तक छोटे-मोटे हादसे भी हो चुके हैं। लेकिन जिम्मेदार विभाग की ओर से कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। लोगों ने प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से पुलिया की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है। ताकि किसी बड़ी दुर्घटना से पहले समस्या का समाधान हो सके। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सुधार कार्य नहीं कराया गया तो आंदोलन किया जाएगा। लोगों का कहना है कि प्रशासन किसी बड़ी घटना के बाद जागने के बजाय पहले ही सुरक्षा के इंतजाम करे। फिलहाल पुलिया की जर्जर स्थिति राहगीरों के लिए परेशानी और खतरे का कारण बनी हुई है।

महिलाओं को सशक्त बना रही सरकार

नवभारत/ गाडरवारा। विकासखंड चांवरपाठा के ग्राम ढिगसरा में रविवार को आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि सरकार किसानों, महिलाओं और ग्रामीण विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी उपज का समर्थन मूल्य दिया जा रहा है, वहीं मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का काम किया जा रहा है। कार्यक्रम में प्राथमिक शाला परिसर में खेलकूद एवं अन्य गतिविधियों के लिए लगभग 60 लाख रुपये की लागत से बनने वाले भवन का भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक भैयाराम पटेल, धनंजय पटेल, अभिलाष मिश्रा, योगेन्द्र पटेल, विजय सिंह पटेल, राजीव सिंह, शिवदयाल खेरोनिया, सरोज पटेल सहित कई जनप्रतिनिधि एवं

अधिकारी मौजूद रहे। मंत्री सिंह ने कहा कि सरकार गांवों में बिजली, सड़क और आवास जैसी मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि ग्राम ढिगसरा में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत 200 आवासों का निर्माण किया जा चुका है। साथ ही प्रदेश सरकार महिलाओं के लिए लाड़ली बहना योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन और लखपति दीदी योजना जैसी योजनाएं संचालित कर रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में लाड़ली बहना योजना की राशि और बढ़ाई जाएगी। ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कौशल और वित्तीय सहायता भी दी जा रही है। शिक्षा के क्षेत्र का उल्लेख करते हुए मंत्री सिंह ने कहा कि प्रदेश में बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए नए स्कूल भवन बनाए जा रहे हैं। छात्र-छात्राओं को निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकें, गणवेश और साइकिल वितरण जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं।